'Krishak Kritagyata Diwas' celebrated at CUH

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: The Tribune **Date: 09-08-2024**

FARMERS MEET AT M'GARH VARSITY

Mahendragarh: A special event was organised at the Central University of Haryana (CUH), wherein around 50 farmers discussed the latest developments and challenges in the agriculture sector. Vice-chancellor Tankeswar Kumar inaugurated the event. Prof NK Singh of NIPB, New Delhi, was the chief guest at the event; he shared his experiences in developing rice varieties with biotechnological tools and encouraged farmers to form cooperative groups and engage in market-orientated farming. He also shared information about several government initiatives that had been launched to support farmers and urged them to understand and use these efficiently to augment their income. Ramesh Kumar, Director, Krishi Vigyan Kendra, Mahendragarh, shared his experience of working in the field and establishing linkages between various farmer groups. Many progressive farmers shared their experiences of starting agribusinesses on the occasion. The event concluded with a certificate distribution ceremony.

Haryana Tribune Fri, 09 August 20
https://epaper.tr

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 08-08-2024**

हकेवि में कृषक कृतज्ञता दिवस का हुआ आयोजन

किसानों को सहकारी समूह बनाने और बाजार-उन्मुख खेती से जुड़ने के लिए किया प्रोत्साहित

नीरज कौशिक

कृषज्ञ कृतज्ञता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। आज समाज

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में बुधवार को कृषक कृतज्ञता दिवस के अवसर पर विशेष आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव, प्रो. एन.के. सिंह सहित संकाय सदस्यों और किसानों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती पूजा के साथ हुई। इस आयोजन में लगभग पचास किसानों ने प्रतिभागिता की। आयोजन में भारत रत्न प्रोफेसर एम.एस. स्वामीनाथन को वैश्विक खाद्य सुरक्षा में उनके अभूतपूर्व योगदान को याद किया गया। आयोजन में मुख्य अतिथि सम्मिलित एन.आई.पी.बी., नई दिल्ली के प्रो. एन.के. सिंह ने बायोटेक्नोलॉजिकल उपकरणों का उपयोग करके चावल की किस्मों के विकास में अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने किसानों को सहकारी समूह बनाने और बाजार-उन्मुख खेती से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रो. सिंह ने किसानों का समर्थन करने के लिए कई सरकारी पहलों को भी प्रतिभागियों से साझा किया और उनसे इन योजनाओं को कुशलतापूर्वक समझने और उपयोग करने का आग्रह किया ताकि उनकी आय में वृद्धि हो सके। आयोजन में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने किसानों का पगड़ी व शॉल से स्वागत किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में किसानों की आय में सुधार की चुनौतियों और कृषि आधारित व्यवसायों में युवाओं को बनाए रखने की आवश्यकता पर चर्चा की। उन्होंने कृषि उद्योग के रूप में खेती को विकसित करने और अनुसंधान और व्यावहारिक खेती के बीच की खाई को पाटने के महत्त्व पर जोर दिया। कुलपति ने वैज्ञानिकों को किसानों के साथ जुड़े रहने और उनकी चुनौतियों को बेहतर ढंग से समझने तथा उनका समाधान करने की आवश्यकता पर बल दिया। विश्वविद्यालय समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने किसानों के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। उन्होंने संकाय सदस्यों से कृषि से जुड़े क्षेत्र में अनुसंधान तेज करने का आग्रह किया। प्रो. यादव ने कृषि को अधिक लाभदायक बनाने के लिए फसल विविधीकरण की आवश्यकता पर जोर दिया और किसानों की आय में सुधार के लिए सुविचारित योजना का पर जोर दिया। आयोजन में कृषि विज्ञान केंद्र, महेंद्रगढ़ के निदेशक डॉ. रमेश कुमार ने इस क्षेत्र में काम करने और विभिन्न किसान समूहों के बीच संपर्क स्थापित करने के अपने अनुभव साझा किए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 08-08-2024**

देश के आर्थिक विकास में वैज्ञानिक दृष्टिकोण अहम

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में चल रहे दो दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम का बुधवार को समापन किया गया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह ने कहा है कि देश के आर्थिक एवं सामाजिक विकास में वैज्ञानिक दृष्टिकोण की अहम भूमिका है। युवा, वैज्ञानिक नजरिए से सोचेंगे तो देश हर क्षेत्र में तरक्की करेगा। इसमें मीडिया व उसमें काम करने वाले लोग महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। देश की आने वाली पीढ़ियां भी वैज्ञानिक नजरिए से सोचें इसके लिए नई शिक्षा नीति में भी वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर फोकस किया गया है। विश्वविद्यालय में भूगोल विभाग के प्रो. एमएल मीणा ने कहा कि पत्रकारिता के विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर पर पत्रकारिता के लिए भौगोलिक व जियो पॉलिटिकल चीजों को समझना जरूरी है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के विद्यार्थियों में हमेशा दुनिया, देशों, राज्य एवं लोगों को जानने में रूचि होनी चाहिए। इसी क्रम में अंग्रेजी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुदीप कुमार ने अपने उद्बोधन में मीडिया में भाषा के महत्व एवं उसके प्रयोग पर विस्तार से चर्चा की।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि इस दो दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम के अंतर्गत 11 सत्रों में 11 वक्ताओं ने अंतर विषयक विषयों पर अपने विचार रखकर विद्यार्थियों में नई उर्जा का संचार किया है। उन्होंने बताया कि विभाग का प्रयास विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा एवं प्रशिक्षण देना व पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग को इस क्षेत्र में एक उत्कृष्ट प्रशिक्षण केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 08-08-2024**

हकेंवि में कृषक कृतज्ञता दिवस कार्यक्रम विश्वविद्यालय परिसर में जुटे कई किसान

महेंद्रगढ़ | हकेंवि में को कृषक कृतज्ञता दिवस पर विशेष आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव, प्रो. एन.के. सिंह सहित संकाय सदस्यों और किसानों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती पूजा के साथ की गई। आयोजन में पचास किसानों ने प्रतिभागिता की। भारत रत्न प्रोफेसर एम.एस. स्वामीनाथन को वैश्विक खाद्य सुरक्षा में उनके अभूतपूर्व योगदान को याद किया गया।

मुख्य अतिथि सम्मिलित एनआईपीबी, नई दिल्ली के प्रो. एनके सिंह ने बायोटेक्नोलॉजिकल उपकरणों का उपयोग करके चावल की किस्मों के विकास में अपने अनुभव साझा किए। प्रो. सिंह ने किसानों का समर्थन करने के लिए कई सरकारी पहलों को भी प्रतिभागियों से साझा किया।

कृषि विज्ञान केंद्र, महेंद्रगढ़ के निदेशक डॉ. रमेश कुमार ने इस क्षेत्र में काम करने और विभिन्न किसान समूहों के बीच संपर्क स्थापित करने के अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का समापन दो व्यावहारिक कार्यशालाओं के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरण समारोह के साथ हुआ, जिनका संचालन डॉ. हुमीरा सोनाह ने किया। प्रो. पवन कुमार मौर्य और प्रो. कांति प्रकाश शर्मा व डॉ. रुपेश देशमुख ने कार्यक्रम में सचिव की भूमिका का निर्वहन किया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Hello Rewari **Date: 08-08-2024**

हकेवि में कृषक कृतज्ञता दिवस आयोजित

महेन्द्रगढ़। चेतना ब्यूरो। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में बुधवार को कृषक कृतज्ञता दिवस के अवसर पर विशेष आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव, प्रो. एन.के. सिंह सहित संकाय सदस्यों और किसानों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती पूजा के साथ हुई। इस आयोजन में लगभग पचास किसानों ने प्रतिभागिता की। आयोजन में भारत रत्न प्रोफेसर एम.एस. स्वामीनाथन को वैश्विक खाद्य सुरक्षा में उनके अभूतपूर्व योगदान को याद किया गया। आयोजन में मुख्य अतिथि सम्मिलित एन.आई.पी.बी., नई दिल्ली के प्रो. एन.के. सिंह ने बायोटेक्नोलॉजिकल उपकरणों का उपयोग करके चावल की किस्मों के विकास में अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने किसानों को सहकारी समूह बनाने और बाजार-उन्मुख खेती से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रो. सिंह ने किसानों का समर्थन करने के लिए कई सरकारी पहलों को भी प्रतिभागियों से साझा किया और उनसे इन योजनाओं को कुशलतापूर्वक समझने और उपयोग करने का आग्रह किया ताकि उनकी आय में वृद्धि हो सके। आयोजन में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने किसानों का पगड़ी व शॉल से स्वागत किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में किसानों की आय में सुधार की चुनौतियों और कृषि आधारित व्यवसायों में युवाओं को बनाए रखने की आवश्यकता पर चर्चा की। उन्होंने कृषि उद्योग के रूप में खेती को विकसित करने और अनुसंधान और व्यावहारिक खेती के बीच की खाई को पाटने के महत्त्व पर जोर दिया। कुलपति ने वैज्ञानिकों को किसानों के साथ जुड़े रहने और उनकी चुनौतियों को बेहतर ढंग से समझने तथा उनका समाधान करने की आवश्यकता पर बल दिया। विश्वविद्यालय समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने किसानों के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। उन्होंने संकाय सदस्यों से कृषि से जुड़े क्षेत्र में अनुसंधान तेज करने का आग्रह किया। प्रो. यादव ने कृषि को अधिक लाभदायक बनाने के लिए फसल विविधीकरण की आवश्यकता पर जोर दिया और किसानों की आय में सुधार के लिए सुविचारित योजना का पर जोर दिया। आयोजन में कृषि विज्ञान केंद्र, महेंद्रगढ़ के निदेशक डॉ. रमेश कुमार ने इस क्षेत्र में काम करने और विभिन्न किसान समूहों के बीच संपर्क स्थापित करने के अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर कई प्रगतिशील किसानों ने कृषि व्यवसाय शुरू करने के अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का समापन दो व्यावहारिक कार्यशालाओं के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरण समारोह के साथ हुआ।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 08-08-2024**

कृषक कृतज्ञता दिवस पर हकेंवि में कृषि से जुड़े अनुसंधान को तेज करने पर दिया जोर

संवाद सहयोगी, जागरण ● महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में बुधवार को कृषक कृतज्ञता दिवस के अवसर पर विशेष आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव, प्रो. एन.के. सिंह सहित संकाय सदस्यों और किसानों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती पूजा के साथ हुई। इस आयोजन में लगभग पचास किसानों ने प्रतिभागिता की। आयोजन में भारत रत्न प्रोफेसर एम.एस. स्वामीनाथन को वैश्विक खाद्य सुरक्षा में उनके अभूतपूर्व योगदान को याद किया गया।

आयोजन में मुख्य अतिथि सम्मिलित एनआइपीबी, नई दिल्ली के प्रो. एनके सिंह ने बायोटेक्नोलाजिकल उपकरणों का उपयोग करके चावल की किस्मों के विकास में अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने किसानों को सहकारी समूह बनाने और बाजार-उन्मुख

कृषज्ञ कृतज्ञता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. प्रवक्ता

खेती से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रो. सिंह ने किसानों का समर्थन करने के लिए कई सरकारी पहलों को भी प्रतिभागियों से साझा किया और उनसे इन योजनाओं को कुशलतापूर्वक समझने और उपयोग करने का आग्रह किया ताकि उनकी आय में वृद्धि हो सके।

आयोजन में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने किसानों का पगड़ी व शाल से स्वागत किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में किसानों की आय में सुधार की चुनौतियों और कृषि आधारित व्यवसायों में युवाओं को बनाए रखने की आवश्यकता पर चर्चा की। उन्होंने कृषि उद्योग के रूप में खेती को विकसित करने और अनुसंधान और व्यावहारिक खेती के बीच की खाई को पाटने के महत्त्व पर जोर दिया। कुलपति ने वैज्ञानिकों को किसानों के साथ जुड़े रहने और उनकी चुनौतियों को बेहतर ढंग से समझने तथा उनका समाधान करने की आवश्यकता पर बल दिया। विश्वविद्यालय सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने किसानों के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। उन्होंने संकाय सदस्यों से कृषि से जुड़े क्षेत्र में अनुसंधान तेज करने का आग्रह किया। प्रो. यादव ने कृषि को अधिक लाभदायक बनाने के लिए फसल विविधीकरण की आवश्यकता पर जोर दिया और किसानों की आय में सुधार के लिए सुविचारित योजना का पर जोर दिया। आयोजन में कृषि विज्ञान केंद्र, महेंद्रगढ़ के निदेशक डा. रमेश कुमार ने इस क्षेत्र में काम करने और विभिन्न किसान समूहों के बीच संपर्क स्थापित करने के अपने अनुभव साझा किए।

इस अवसर पर कई प्रगतिशील किसानों ने कृषि व्यवसाय शुरू करने के अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का समापन दो व्यावहारिक कार्यशालाओं के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरण समारोह के साथ हुआ, जिनका संचालन डा. हुमीरा सोनाह ने किया। आयोजन में प्रो. पवन कुमार मौर्य और प्रो. कांति प्रकाश शर्मा तथा डा. रुपेश देशमुख ने कार्यक्रम के आयोजन सचिव की भूमिका का निर्वहन किया। आयोजन में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

दो दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम का समापन

संवाद सहयोगी, जागरण ● महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में चल रहे दो दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम का बुधवार को समापन हो गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह ने कहा है कि आर्थिक एवं सामाजिक विकास में वैज्ञानिक दृष्टिकोण की अहम भूमिका है। युवा, वैज्ञानिक नजरिए से सोचेंगे तो देश हर क्षेत्र में तरक्की करेगा। उन्होंने कहा कि देश की आने वाली पीढ़ियां भी वैज्ञानिक नजरिए से सोचें इसके लिए नई शिक्षा नीति में भी वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर फोकस किया गया है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के विद्यार्थियों को निरंतर प्रश्न करने चाहिए व लगातार तथ्यों के आधार पर ही लिखना चाहिए।

हकेंवि में प्रो. सुरेंद्र सिंह का स्वागत करते विभागाध्यक्ष डा. अशोक कुमार ● सौ. प्रवक्ता

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अशोक कुमार ने बताया कि इस दो दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम के अंतर्गत 11 सत्रों में 11 वक्ताओं ने अंतर विषयक विषयों पर अपने विचार रखकर नई उर्जा का संचार किया है। उन्होंने बताया कि विभाग का प्रयास विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा एवं प्रशिक्षण देना व पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग को इस क्षेत्र में एक उत्कृष्ट प्रशिक्षण केंद्र के रूप में स्थापित करना है। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक डा. आलेख एस नायक ने सभी का स्वागत किया व विभाग के शिक्षक डा. सुरेंद्र ने धन्यवाद प्रस्तुत किया। विभाग के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।